www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी...

3 नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल...

4 कैथल में 24 हजार 545 महिलाओं को मिलेगा...

वर्ष: 10 | अंक: 41 | दिल्ली, गुरुवार, 4 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

कान्हा बंदरगाह में आत्मनिर्भरता का प्रतीक, सोनोवाल ने लॉन्च किया पहला इलेक्ट्रिक ग्रीन टग

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत के समुद्री क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण में, केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने ग्रीन टग ट्रांज़िशन प्रोग्राम के तहत दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण, कांडला के लिए बनाए जा रहे भारत के पहले ऑल-इलेक्ट्रिक ग्रीन टग के स्टील कटिंग समारोह को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड की भावना को बढ़ावा देते हुए, डीपीए का ऑल-इलेक्ट्रिक ग्रीन टग 60 टन की बोलार्ड पुल क्षमता से लैस होगा, जो शांत संचालन, शून्य कार्बन उत्सर्जन और अधिकतम दक्षता सुनिश्चित करेगा। यह अगली पीढ़ी का टग स्थायी समुद्री संचालन में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत के पहले ग्रीन टग की निर्माण प्रक्रिया आज शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय समुद्री क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेट-जीरो विजन की ओर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मजदूर विरोधी नीतियां बर्दाश्त नहीं-प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को चार नए श्रम संहिताओं को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार ने श्रमिकों के अधिकार छीन लिए हैं और उनके शोषण के नए रास्ते खोल दिए हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने श्रम संहिताओं के खिलाफ संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रियंका गांधी ने एक पोस्ट में कहा कि श्रमिकों को पहले दी गई सुरक्षा छीन ली गई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि श्रम कानूनों को सरल बनाने के नाम पर केंद्र सरकार 4 नए श्रम संहिताएँ लेकर आई है। इस बहाने सरकार ने श्रमिकों के सभी अधिकार छीन लिए हैं। श्रमिकों को पहले दी गई सुरक्षा छीन ली गई है और उनके शोषण के नए रास्ते खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के जरिए नरेंद्र मोदी जी की पूंजीवाद समर्थक और मजदूर विरोधी मानसिकता एक बार फिर सामने आ गई है। देश इन कानूनों को स्वीकार नहीं करता। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने संसद में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा कि उनका मकसद मीडिया का ध्यान आकर्षित करना है क्योंकि उन्होंने जनता का समर्थन खो दिया है।

शारीरिक बनावट नहीं करती है क्षमता का निर्धारण: सीएम योगी आदित्यनाथ

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विश्व दिव्यांग दिवस 2025 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर बल दिया कि शारीरिक बनावट क्षमता के निर्धारण और लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा नहीं बनती है। बुधवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दिव्यांगजन सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति वितरण, सहायक उपकरण प्रदान करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के सम्मान के लिए आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की ऋषि परंपरा ने हमेशा हमें इस बात के लिए प्रेरित किया है कि व्यक्ति की शारीरिक बनावट उसकी क्षमता का निर्धारण नहीं करती है। भारतीय मनीषा का मानना है कि वास्तविक शक्ति मन, संकल्प और आत्मबल में है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया ने उस संकल्प शक्ति को, आत्मबल को वास्तविक और व्यावहारिक जीवन में दिव्यांगजन के सामर्थ्य से उद्घाटित होते हुए देखा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व दिव्यांग दिवस पर सभी की मंगलकामना करते हुए कहा कि आज देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की भी पावन जयंती है। उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां एक ग्रंथ है अष्टावक्र गीता जिसे ऋषि अष्टावक्र ने रचा था। उनके बारे में अनेक धारणाएं हैं, और कहते हैं कि विदेह जनक को भी आत्मज्ञान की प्रेरणा उन्होंने दी। मध्यकाल में संत सूरदास इसके उदाहरण हैं। दुनिया में भी अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहां दिव्यांगजनों को थोड़ा भी संबल मिला तो उन्होंने अपने सामर्थ्य और अपनी शक्ति से समाज के लिए वह सब कुछ कर दिखाया जिस पर सामान्य जन को सहज विश्वास भी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे एक प्लेटफॉर्म के रूप में आपके लिए अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं।

■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व दिव्यांग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भारत की ऋषि परंपरा का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर किसी के परिवार में जाने-अनजाने या किसी गलती के कारण कोई बच्चा दिव्यांगता का शिकार होता है तो स्वाभाविक रूप से परिवार और समाज उसे उपेक्षित कर देता है। परिणाम यह होता है कि बचपन में ध्यान न दिए जाने तथा संबल न मिलने के कारण उपेक्षा जीवन भर उसके मन को कुंठित करती है। वह स्वयं को लाचार स्थिति में देखता है, जबकि यदि हम थोड़ा सा संबल दें तो बहुत अच्छे परिणाम सामने आ सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में हमारे खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव स्वयं पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं तथा उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पैरा ओलंपिक में सर्वाधिक मेडल जीते। चित्रकूट के मंडलायुक्त दृष्टिबाधित हैं, लेकिन मंडलायुक्त के रूप में वहां अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि हमारी संकल्प शक्ति और आत्मबल ही हमारे सामर्थ्य का वास्तविक पैमाना है। इसी कारण भारत की मनीषा और ऋषि परंपरा ने कभी भी शारीरिक बनावट को व्यक्ति की क्षमता का आधार नहीं माना।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति ईश्वरीय कृति है और मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचनाओं में से एक है। यदि हम हर मनुष्य के भीतर ईश्वर का वास मानकर उसके प्रति सद्भाव और सहानुभूति रखें तथा थोड़ा सा संबल दें तो उपेक्षा के भाव से उसे बाहर निकालकर समाज और राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। दिव्यांगजन की सामर्थ्य और उनकी प्रतिभा से समाज को लाभान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति समाज की दृष्टि बदली है।

अतिक्रमण से जुड़ी जन शिकायतों पर करें कार्रवाई: रविन्द्र इन्द्राज

पूर्ववर्ती सरकार ने दिल्ली को विकास में पीछे ढकेला, अब बदल रही है तस्वीर: इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री एवं उत्तर पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बुधवार को वार्ड-54 रोहिणी-डी में सफाई व्यवस्था और अन्य जन शिकायतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने एवं अतिक्रमण को लेकर जन शिकायतों को दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद श्रीमति स्मिता कौशिक भी उपस्थित रहीं।

समाज कल्याण मंत्री ने स्थानीय लोगों की ओर से समयपुर बादली मेट्रो स्टेशन और दिव्य ज्योति अपार्टमेंट के नजदीक अतिक्रमण को लेकर मिल रही शिकायतों पर निरीक्षण किया एवं उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जहाँ भी अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बन रही है, वहां स्थानीय लोगों और वाहन चालकों की सुविधा के लिए उचित कार्यवाही करें।

समाज कल्याण मंत्री ने निरीक्षण के दौरान स्वच्छता व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन, नालों की सफाई तथा स्थानीय नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा भी लिया। श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि स्वच्छता किसी भी क्षेत्र की बुनियादी जरूरत है एवं सभी नागरिकों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में सरकार और जन प्रतिनिधि लगातार स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण कर जन शिकायतों को दूर करने और स्वच्छता कार्यों में जुटे स्टाफ का उत्साहवर्धन करने का कार्य कर रहे हैं।

पूर्ववर्ती सरकार ने दिल्ली के कई क्षेत्रों में विकास कार्यों को पीछे ढकेल दिया था, लेकिन अब तस्वीर तेजी से बदल रही है।

निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने क्षेत्र में नियमित कूड़ा संग्रहण, नालों एवं ड्रेनों की सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। श्री रविन्द्र इन्द्राज ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता व्यवस्था और कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रकृति से छेड़छाड़ पर बढ़ी चिंता, महाकाल भैरव अखाड़े के प्रधान कैलाशपुरी महाराज का वैश्विक स्तर पर प्रयास सराहा गया

युद्धकालीन प्रशिक्षण और आकाश में छोड़े जा रहे उपकरणों से बढ़ रहा पर्यावरण दबाव

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विश्वभर में लगातार बढ़ रहे युद्ध, सैन्य अभ्यास और आकाश में छोड़े जा रहे हाई-टेक उपकरणों के कारण पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव देखा जा रहा है। प्रकृति से हो रही यह छेड़छाड़ अब पृथ्वी के संतुलन को सीधे चुनौती दे रही है। इसी गंभीर विषय पर पिछले कई वर्षों से जागरूकता और समाधान की दिशा में कार्य कर रहे महाकाल भैरव अखाड़े के प्रधान कैलाशपुरी जी महाराज को हाल ही में यूरेशिया-एफ्रो चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 21 देशों में सम्मानित किया गया है।

कैलाशपुरी महाराज ने अपने संदेश में कहा कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ मानवता के भविष्य को संकट में डाल रही है। जिस प्रकार बड़ी शक्तियाँ युद्धकालीन तकनीक, मिसाइल टेस्टिंग, सैटेलाइट डिवाइस और वॉर ट्रेनिंग के दौरान भारी मात्रा में रासायनिक व धातुयुक्त उपकरण हवा में छोड़ रही हैं, उससे ओजोन, जलवायु और परंपरागत मौसम चक्र पर गहरा असर पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि युद्ध क्षेत्र में प्रयोग होने वाली नई तकनीकों और आकाश में छोड़े जा रहे उपकरणों के माइक्रो-रेडिएशन प्रभाव पर अभी पर्याप्त शोध नहीं है, लेकिन शुरूआती रिपोर्टें पर्यावरण के लिए गंभीर चेतावनी दे रही हैं। जलवायु विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वैश्विक तापमान में तेजी, असामान्य वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी घटनाएँ अब इसी मानव निर्मित हस्तक्षेप का परिणाम हैं।

कैलाशपुरी महाराज ने विश्व समुदाय से अपील की है कि विकास और तकनीक से आगे बढ़ते हुए भी प्रकृति के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा प्रकृति बचेगी, तभी मानव बचेगा। युद्ध जितने भी हों, जीत अंत में उसी की होगी जिसने धरती का सम्मान किया।

पंजाब सरकार लाडोवाल में उन्नत बागबानी तकनीक विकास केंद्र स्थापित करेगी: मोहिंदर भगत

एसबी संवाददाता/चंडीगढ़/लुधियाना। बागवानी क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने घोषणा की कि पंजाब सरकार लाडोवाल, लुधियाना में एक अत्याधुनिक बागवानी तकनीक विकास केंद्र स्थापित कर रही है। लाडोवाल में बागवानी विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सेमिनार-कम-प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आगामी बागवानी तकनीक विकास केंद्र पंजाब भर के किसानों के लिए एक वन-स्टॉप नॉलेज सेंटर के रूप में कार्य करेगा, जहाँ फल, सब्जियों और फूलों की सभी किस्मों के लिए नवीनतम हाई-टेक खेती तरीकों का लाइव दिखाया जाएगा और प्रदर्शनी स्थलों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र किसानों को बड़े पैमाने पर बागवानी अपनाने के लिए प्रेरित भी करेगा। कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने सैकड़ों प्रगतिशील किसानों को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार किसानों को गेहूँ-धान की फसली चक्र से उच्च-मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर तबदील करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर दिव्यांगजन सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए मुकेश शुक्ला राज्य पुरस्कार से सम्मानित

एसबी संवाददाता

वाराणसी/लखनऊ। विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभूतियों को राज्य पुरस्कार प्रदान किए।

कार्यक्रम के दौरान स्पेशल ओलंपिक भारत उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मुकेश शुक्ला को "दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति" के रूप में राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान शुक्ला के लंबे समय से प्रदेशभर में दिव्यांगजन के खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, रोजगार और सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में किए गए बहुआयामी प्रयासों की स्वीकृति है।

शुक्ला स्पेशल ओलंपिक भारत उत्तर प्रदेश के माध्यम से हजारों-लाखों दिव्यांगजन बच्चों एवं युवाओं को प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और सामाजिक सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराते हुए उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने होम डिपार्टमेंट के डैशबोर्ड को किया लॉन्च

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गृह विभाग के डैशबोर्ड का उद्घाटन किया। यह एक बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पूरे राज्य में कानून लागू करने, इमरजेंसी में मदद करने और पब्लिक सेफ्टी मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव लाएगा। इस पहल को एक अहम मील का पत्थर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नए सिस्टम से सीनियर अधिकारी एक ही इंटरफेस पर पुलिस, फायर, एम्बुलेंस, जेल और दूसरे जरूरी विंग से रियल-टाइम जानकारी पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे गृह विभाग में समन्वय बेहतर होगा, क्षमता बढ़ेगी और तेजी से फैसले लेने में मदद मिलेगी।

श्री नायब सिंह सैनी ने इस नई पहल के लिए होम सेक्रेटरी और दूसरे सीनियर अधिकारियों और टेक्निकल टीम को बधाई दी। यह इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस), डायल-112 इमरजेंसी रिस्पॉन्स, ई-प्रिजन, ई-चालान, फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और इससे जुड़े प्लेटफॉर्म जैसे जरूरी सिस्टम को एक साथ लाता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को डैशबोर्ड के साथ ई-समन और ई-चालान को जोड़ने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने डैशबोर्ड के जरिए हरियाणा की सभी 20 जेलों की रियल टाइम में लाइव मॉनिटरिंग की तारीफ की। इससे अधिकारी कैदियों के ट्रांसफर, एक्सपेंशन की जरूरतों और भीड़ कम करने के उपायों की प्लानिंग कर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की रियल-टाइम विजिबिलिटी से ज्यादा जानकारी और समय पर प्रशासनिक कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। बैठक में गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि 1 जुलाई, 2024 से 30 नवंबर, 2025 के बीच डैशबोर्ड पर 1,78,038 एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें से 1,32,790 केस निपटाए जा चुके हैं, जो 74.58 प्रतिशत डिस्पोजल रेट दिखाता है।

इमरजेंसी में, पुलिस अब एवरेज 11 मिनट 54 सेकंड का रिस्पॉन्स टाइम देती है और डिस्पैच 7 मिनट 36 सेकंड के अंदर हो जाता है। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सर्विस औसतन 23 मिनट 49 सेकंड में लोगों तक पहुंच रही हैं, जिससे उन्हें जल्दी मेडिकल मदद मिल रही है और नतीजे बेहतर हो रहे हैं।

बरौनी रिफाइनरी उगल रही है जहर रूपी धुआँ

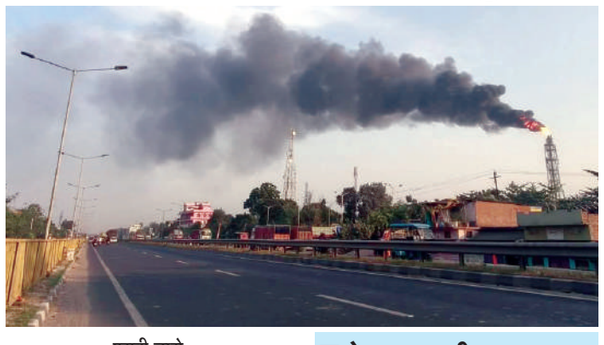

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। बरौनी रिफाइनरी इन दिनों जहर रुपी धुआँ उगल रही है।साथ ही बरौनी रिफाइनरी की रासायनिक पानी से स्थानीय भूमि बंजर हो रही है। वही फसलें भी चौपट हो रही है। स्थानीय घर-आंगन में भी काफी ज्यादा मुसीबतें है। स्थानीय ग्रामीणों में भयंकर आक्रोश देखा गया महेश्वर सदा, कुशेश्वर पंडित, उमाशंकर चौधरी, गोपाल चौधरी, केशव प्रसाद सिंह, देवेंद्र चौधरी, उमेश पोद्दार, शशिभूषण चौधरी सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि आसपास के क्षेत्रों में ऐसा दुर्गंध होता है। कि जीना दुश्वार बना हुआ है। लगातार एक सप्ताह से बरौनी रिफाइनरी की जहर रूपी धुआँ अत्यधिक निकलने से बेगूसराय जिले के लोग जहर रूपी धुआँ पीने को मजबूर है। इस धूआँ से तरह-तरह की बीमारी उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम लोग उग्र आंदोलन करेंगे।

■ बेगूसराय की जनता जहर रूपी धुआं पीने को मजबूर

अधिवक्ता दिवस के रूप में मना राजेन्द्र प्रसाद की जयंती

बनारस बार एसोसिएशन के सभागार में हुआ आयोजन

एसबी संवाददाता

वाराणसी। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती अवसर पर दी बनारस बार एसोसिएशन, वाराणसी द्वारा उनके मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने उनके आदर्शों, सादगी, सत्यनिष्ठा व राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय न्याय व्यवस्था और संविधान निर्माण के महत्वपूर्ण शिल्पकारों में से एक थे, जिनके विचार आज भी विधि-जगत का मार्गदर्शन करते हैं।

बार एसोसिएशन द्वारा इस दिन को 'अधिवक्ता दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ समारोह का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन बनारस बार के महामंत्री शशांक श्रीवास्तव ने किया तथा अध्यक्षता अध्यक्ष सतीश तिवारी ने किया। इस बार पर सेन्ट्रल बार के महामंत्री राजेश गुप्ता, सत्य प्रकाश सिंह सुनील, रमाशंकर प्रजापति, कमलेश यादव, राहुल श्रीवास्तव, आशीष सिंह, गौतम कुमार झा आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए अधिवक्ता। (छाया: एसबी)

सम्पादकीय

एसआईआर पर विवाद

24 जून 2025 को चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर का आदेश) दिया था, जो शुरुआत से विवादों में बना रहा। इसे लेकर कई तरह की आशंकाएं विपक्ष ने प्रकट कीं, जिनमें से कई सही भी साबित हुईं। लेकिन चुनाव आयोग ने विपक्ष की चिंताओं का कोई समाधान नहीं किया। वहीं सत्तारुढ़ भाजपा ने भी लगातार एसआईआर को जरूरी बताते हुए विपक्ष घुसपैठियों का साथ दे रहा है, इसलिए वो एसआईआर का विरोध कर रहा है। हालांकि चुनाव आयोग ने आज तक यह नहीं बताया है कि उसे कितने घुसपैठिए मतदाता के तौर पर मिले हैं। बहरहाल, एसआईआर पर उठ रहे कई तरह के सवालों के बीच अब एक बड़ा खुलासा अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने किया है। जिसके बाद चुनाव आयोग की मंशा और नीयत दोनों पर तत्काल सफाई पेश किए जाने की जरूरत है। क्योंकि एसआईआर में सबसे बड़ी चिंता यही थी कि नागरिकों से उनके मतदान का हक छीना जा रहा है। यह चिंता इस खुलासे के बाद और गहरा गई है। दरअसल इंडियन एक्सप्रेस ने एसआईआर के आदेश के मसौदे में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु द्वारा दी गई एक अहम टिप्पणी को हटाने का खुलासा किया है। श्री संधु ने आदेश के ड्राफ्ट संस्करण में एक सतर्कता वाली टिप्पणी दर्ज की थी। जो हटा दी गई है। चुनाव आयुक्त संधु ने ड्राफ्ट आदेश की फाइल में लिखा था-'यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि वास्तविक मतदाता/नागरिक, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर वर्ग के लोग परेशान न महसूस करें और उन्हें सुविधा प्रदान की जाए।' यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि जब एसआईआर का फैसला लिया गया था, तब दस्तावेजों की सूची जारी की गई, तो सबसे ज्यादा तकलीफ में गरीब ही आए। बिहार से ऐसी ढेरों खबरें आईं, इसी पर सुप्रीम कोर्ट में सवाल भी पूछा गया कि आधार को दस्तावेज लिस्ट में शामिल क्यों नहीं किया गया। दो बार की मौखिक सलाह के बाद तीसरी बार अदालत को भी आधार शामिल करने के लिए चुनाव आयोग को सख्त लहजे में कहा गया। अब श्री संधु की टिप्पणी के बाद समझ आ रहा है कि चुनाव आयोग में भी नागरिकता बचाने पर चिंता व्यक्त की जा रही थी। ये और बात है कि उस चिंता को जाहिर नहीं होने दिया गया। ऐसा क्यों किया गया, इसके पीछे किसका दबाव था, क्या चुनाव आयुक्तों में मतभेद है, क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने साथी चुनाव आयुक्त द्वारा व्यक्त की गई चिंता की उपेक्षा की, ऐसे कई सवाल इस खुलासे के बाद उठ रहे हैं। गौरतलब है कि अंतिम आदेश में श्री संधु की टिप्पणी को हटा दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बाद में उस फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए। इंडियन एक्सप्रेस द्वारा देखे गए ड्राफ्ट आदेश के पैराग्राफ 2.5 और 2.6 में एसआईआर को स्पष्ट रूप से नागरिकता अधिनियम से जोड़ा गया था और अधिनियम में हुए बदलाव को इस प्रक्रिया का औचित्य बताया गया था। ड्राफ्ट आदेश में लिखा था कि 'आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि भारत के संविधान और नागरिकता अधिनियम, 1955 ('नागरिकता अधिनियम') के अनुसार केवल नागरिकों के ही नाम मतदाता सूची में शामिल हों। नागरिकता अधिनियम में 2004 में महत्वपूर्ण संशोधन हुआ था और उसके बाद देशभर में कोई गहन संशोधन नहीं किया गया था।' लेकिन अंतिम आदेश में नागरिकता अधिनियम और 2003 में पारित तथा 2004 से लागू संशोधन के सभी संदर्भ हटा दिए गए। उसकी जगह लिखा गया- 'चूंकि संविधान के अनुच्छेद 326 में निर्धारित मूलभूत शर्तों में से एक यह है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के लिए व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। फलस्वरूप, आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि केवल नागरिक ही...' यह पैराग्राफ अचानक बीच में ही खत्म हो जाता है, वाक्य सेमिकोलन के बाद अधूरा रह जाता है। 24 जून से अब तक चुनाव आयोग ने इस अधूरी लाइन पर कोई टिप्पणी नहीं की है कि आखिर वो लाइन अधूरी क्यों है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक उसने 28 नवंबर को आयोग के प्रवक्ता से दोनों आदेशों में हुए बदलाव के बारे में पूछा था, लेकिन कोई टिप्पणी नहीं मिली। वहीं आयुक्त संधु से भी उनकी टिप्पणी के बारे में और यह भी पूछा गया कि क्या उनकी चिंताओं का समाधान किया गया, लेकिन वे भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। हालांकि यह भी सामने आया है कि आयुक्त संधु ने नागरिकता के जिस बिंदु पर चिंता जाहिर की थी, उसका नाम लिए बिना ही उसे अंतिम आदेश के पैराग्राफ 13 में शामिल कर लिया गया। 24 जून के आदेश में लिखा है: 'चूंकि यह गहन संशोधन है, इसलिए यदि 25 जुलाई 2024 से पहले गणना फॉर्म जमा नहीं किया गया तो मतदाता का नाम ड्राफ्ट रोल में शामिल नहीं किया जा सकेगा। फिर भी, सीईओ/डीईओ/ईआरओ/बीएलओ यह भी सुनिश्चित करें कि वास्तविक मतदाता, विशेषकर वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर वर्ग के लोग परेशान न हों और उन्हें अधिक से अधिक सुविधा दी जाए, जिसमें स्वयंसेवकों की तैनाती भी शामिल है।'

जयंती

रामस्वामी वेंकटरमण

जन्म-4 दिसम्बर, 1910, मद्रास-मृत्यु-27 जनवरी, 2009 नई दिल्ली, भारत के आठवें राष्ट्रपति थे। इसके पूर्व उपराष्ट्रपति पद भी इनके ही पास था। यह 77 वर्ष की उम्र में राष्ट्रपति बने। इससे पूर्व उपराष्ट्रपति से राष्ट्रपति बनने वाले डॉक्टर राधाकृष्णन, डॉक्टर जाकिर हुसैन और वी.वी. गिरि ही थे। इनका क्रम चौथा रहा। उन्होंने 25 जुलाई, 1987 को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। यह एक संयोग था कि 35 वर्ष पूर्व जब देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने शपथ ग्रहण की थी, तब श्री वेंकटरमण भी राष्ट्रपति भवन के उसी कक्ष में मौजूद थे। उस समय किसने सोचा था कि 35 वर्ष बाद इस इतिहास को दोहराने वाला व्यक्ति भी उस घड़ी वहीं मौजूद है।

पुण्यतिथि

शशि कपूर

जन्म-18 मार्च, 1938, कोलकाता; मृत्यु-4 दिसम्बर, 2017, मुम्बई, हिन्दी सिनेमा जगत के प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक थे। वे ऐसे अभिनेताओं में शुमार किये जाते हैं, जिन्होंने अपने सदाबहार अभिनय से लगभग चार दशक तक हिन्दी सिने प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया। कोलकाता में जन्मे शशि कपूर का असली नाम 'बलबीर राज कपूर' था। उनका रुझान बचपन से ही फि ल्मों की ओर था और वह अभिनेता बनना चाहते थे। उनके पिता पृथ्वीराज कपूर और भाई राजकपूर तथा शम्मी कपूर पहले से ही फि ल्म इंडस्ट्री के जाने माने अभिनेता थे और प्रसिद्धि की बुलन्दियों पर थे। उनके पिता अगर चाहते तो वह उन्हें लेकर फि ल्म बना सकते थे, लेकिन उनका मानना था कि शशि कपूर स्वयं ही संघर्ष करें और अपनी मेहनत से ही अभिनेता बनें। पिता की इस बात पर शशि कपूर पूरी तरह खरे उतरे थे।

कल मिलेंगे

पत्नी-सुनो जी, आपको नहीं लगता
भगवान ने मुझे फुर्सत में बनाया होगा
पति-फालतू के काम फुर्सत में ही होते हैं
उसके बाद पति की हुई जमकर कुटाई.....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मर्यादा'

तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुदृढ़ संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा

-नीरज कुमार दुबे

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम असामान्य है और स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों-थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि दुनिया चाहती है कि यह युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन-समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता, को भी उद्धृत किया।

भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी कूटनीतिक संवेदनशीलता के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को नोट किया है। देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल असामान्य ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मर्यादाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता-विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमेसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारतझ्ररूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारतझ्ररूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश के बारे में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएं कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि यह भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। यूरोपीय देश भली-भाँति जानते हैं कि भारत आज ग्लोबल साउथ की सबसे प्रभावशाली आवाज है और ऊर्जा व सुरक्षा संतुलन में उसकी स्थिति निर्णायक है। इसलिए भारतझ्ररूस संबंधों की निरंतरता पश्चिम की दीर्घकालिक रणनीतियों को प्रभावित करती है। इसी संवेदनशीलता के चलते यूरोपीय दूतों ने यहाँ एक असामान्य सार्वजनिक हस्तक्षेप को चुना, जो यह दर्शाता है कि भारत की रूस-नीति को लेकर पश्चिम में विशेष चिंता है, भले ही वे इसे औपचारिक रूप से स्वीकार न करें।

बहरहाल, तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुदृढ़ संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमार्श या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रुख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेजबान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अंतरराष्ट्रीय बैंक दिवस: बैंकिंग से बदलता भारत

वित्तीय समावेशन का उद्देश्य कमजोर वर्गों को किफायती और समय पर वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना है। आज 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' के कारण 95 प्रतिशत से अधिक परिवार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। 'जनधन'-'आधार'-'मोबाइल' (जेएएम) त्रयी ने वित्तीय पहुंच को बेहद सरल बनाया। मई 2025 तक 55 .44 करोड़ 'जनधन खाते' खोले गए, जिनमें 56प्रतिश महिलाएं हैं और खातों में रुपए 2 .5 लाख करोड़ से अधिक जमा है

-अरुण कुमार डनायक

संयुक्त राष्ट्र संघ' ने वर्ष 2020 में 4 दिसंबर को 'अंतरराष्ट्रीय बैंक दिवस' घोषित किया था। यह दिवस बहुपक्षीय विकास बैंकों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की उस महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, जिसके माध्यम से वे 'सतत विकास लक्ष्यों' (एसडीजी) की 2030 तक प्राप्ति, सदस्य देशों के जीवन-स्तर में सुधार और वैश्विक वित्तीय स्थिरता को सुदृढ़ करते हैं। यह दिवस याद दिलाता है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता और आर्थिक अवसरों जैसे 'एसडीजी' को आगे बढ़ाने में बैंकिंग प्रणाली ही वित्तीय संसाधन और समावेशन की मूल आधारशिला है।

कई देशों ने वित्तीय समावेशन को गरीबी उन्मूलन का प्रभावी साधन बनाया है। बांग्लादेश ने 'माइक्रोक्रेडिट मॉडल' से लाखों गरीब परिवारों, खासकर महिलाओं की आय बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता पाई। प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस और ग्रामीण बैंक के इस योगदान को 2006 में 'नोबेल शांति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। केन्या ने 'मोबाइल मनी' के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की बचत, आय और आपदा-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत किया। रवांडा, फिलीपींस, इंडोनेशिया और पेरू ने डिजिटल बैंकिंग, समूह-आधारित ऋण और फिनटेक नवाचार के जरिए बड़ी आबादी को औपचारिक वित्त से जोड़ा। इन देशों का अनुभव दिखाता है कि जब वित्तीय पहुंच आसान होती है, तो गरीब परिवार अधिक स्थिर, आत्मनिर्भर और अवसर-संपन्न बनते हैं।

भारत में वित्तीय समावेशन की आधारशिला आजादी के बाद ही रखी गई थी। वर्ष 1955 में 'भारतीय स्टेट बैंक' (एसबीआइ) का गठन, अगले दशक में 'प्राथमिकता क्षेत्र ऋण नीति,' 'बैंकों का राष्ट्रीयकरण', 'लीड बैंक योजना' जैसे निर्णायक कदमों ने बैंकिंग को ग्रामीण भारत तक पहुंचाया। 'बैंक शाखा विस्तार नीति', 'स्वयं-सहायता समूह' और 'सूक्ष्म वित्त संस्थाओं' के प्रसार ने वंचित वर्गों को औपचारिक वित्त से जोड़ा। 2005-06 में 'वित्तीय समावेशन' शब्द के औपचारिक प्रयोग के साथ ही 'नो-फ्रिल्स खाता' शुरू हुआ, जो आगे चलकर 'प्रधानमंत्री जनधन खाते' का आधार बना। इस प्रकार स्वतंत्रता के बाद से सरकारों और बैंकों के सतत प्रयासों ने वित्तीय समावेशन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया।

वित्तीय समावेशन का उद्देश्य कमजोर वर्गों को किफायती और समय पर वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना है। आज 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' के कारण 95प्रतिशत से अधिक परिवार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। 'जनधन'-'आधार'-'मोबाइल' (जेएएम) त्रयी ने वित्तीय पहुंच को बेहद सरल बनाया। मई 2025 तक 55.44 करोड़ 'जनधन खाते' खोले गए, जिनमें 56प्रतिश महिलाएं हैं और खातों में रुपए 2.5 लाख करोड़ से अधिक जमा है। 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर' (डीबीटी) ने सीधे लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाकर भ्रष्टाचार रोका।

शून्य-बैलेंस खातों में 'रुपे कार्ड,' 2 लाख का दुर्घटना बीमा और छह महीने के सुचारु संचालन पर ओवरड्राफ्ट सुविधा मिलती है। साथ ही बीमा, 'अटल पेंशन योजना' और 'मुद्रा ऋण' जैसी योजनाएं करोड़ों लोगों को सीधे लाभ पहुंचा रही हैं। डिजिटल भुगतान की विभिन्न प्रणालियों ने बैंकिंग को जन-सुलभ बनाया और स्ट्रीट वेंडरों, लघु उद्यमियों तथा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भुगतान आसान कर दिया है, जिससे धन अंतरण के पारंपरिक साधन, जैसे ड्राफ्ट और मनीऑर्डर अब लगभग अप्रचलित हो गए हैं। 'रिजर्व बैंक' समय-समय पर नीतिगत सुधारों के माध्यम से वित्तीय समावेशन को मजबूत कर रहा है। कृषि ऋण की बिना गारंटी सीमा 2 लाख तक बढ़ाई गई है, प्राथमिकता क्षेत्र के तहत ऋण सीमाएं विस्तारित हुई हैं और कमजोर वर्गों की सूची भी बढ़ाई गई है। शहरी सहकारी बैंकों में महिलाओं के लिए ऋण सीमा हटाकर उन्हें अधिक लचीलापन दिया गया है। 'सह-ऋण' व्यवस्था का दायरा बढ़ाकर अधिक संस्थाओं को जोड़ा गया है। डिजिटल भुगतान को सरल बनाने के लिए अब प्राथमिक खाताधारक की अनुमति से दूसरा उपयोगकर्ता सीमित भुगतान कर सकता है और विकलांगजन-अनुकूल भुगतान प्रणालियां विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। वित्तीय साक्षरता के बिना समावेशन अधूरा है। 'रिजर्व बैंक' ने ग्रामीण और शहरी जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'वित्तीय साक्षरता केंद्र' स्थापित किए हैं। ये केंद्र किसानों, महिलाओं और उद्यमियों को वित्तीय शिक्षा और परामर्श प्रदान करते हैं, जिसमें बचत, ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान की जानकारी शामिल है; बैंक और एनजीओ मिलकर कार्यशालाएं और परामर्श चलाते हैं, जिससे समावेशन और सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ती है। भारत में वित्तीय समावेशन की प्रमुख चिंताएं हैं-गहरी क्षेत्रीय व लैंगिक असमानताएं, अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में नकदी-निर्भरता, कम वित्तीय साक्षरता और कमजोर ऋण अभिगम्यता- जिनके साथ भ्रष्टाचार व संस्थागत खामियां, बीमा उत्पादों की अनुचित बिक्री, डिजिटल धोखाधड़ी, माइक्रोफाइनेंस में अति-ऋणग्रस्तता और कठोर वसूली प्रथाएं स्थिति को और जटिल बनाती हैं। ऐसे में बेहतर क्रेडिट मूल्यांकन, वित्तीय अनुशासन, नैतिकता युक्त कम खचीर्ली वसूली और साइबर सुरक्षा को मजबूत करना अत्यावश्यक है। वित्तीय समावेशन का भविष्य उभरती तकनीकों-एआई, ब्लॉकचेन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अकाउंट एग्रीगेटर और यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस के प्रभावी उपयोग पर आधारित है। बैंक भी दूरस्थ क्षेत्रों के लिये हल्के और उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल उत्पाद विकसित कर रहे हैं, जिससे हर नागरिक तक सुरक्षित और भरोसेमंद वित्तीय सेवाएं पहुंच सकें। आगे की प्राथमिकता डिजिटल ढांचे और वित्तीय साक्षरता के विस्तार, किसानों, मध्यम उद्योगों के लिये लचीली ऋण व्यवस्था तथा मजबूत नियामक शासन और महिला-केंद्रित नीतियों में समन्वय पर होनी चाहिए। 'अंतरराष्ट्रीय बैंक दिवस' हमें याद दिलाता है कि बैंक केवल पूंजी निर्माण करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने, मौद्रिक नीति लागू करवाने और बचत को प्रोत्साहित करने वाली आर्थिक संस्थाएं भर नहीं, बल्कि समाज के व्यापक विकास के महत्वपूर्ण वाहक भी हैं। भारत ने वित्तीय समावेशन में नवाचार के माध्यम से दुनिया को 'इनोवेशन विद इंक्लूजन' का प्रभावशाली मॉडल दिया है। आज करोड़ों लोग, जो पहले बैंकिंग से बाहर थे, अब वित्तीय मुख्यधारा में आ चुके हैं। भारतीय बैंकिंग प्रणाली की मजबूती, नवाचार और भरोसेमंद सेवाएं इस समावेशन को स्थायी और प्रभावशाली बनाती हैं और देश को अधिक समृद्ध, समान और सशक्त करती हैं। भविष्य का भारत तभी सच में समावेशी होगा, जब कोई भी नागरिक वित्तीय मुख्यधारा से बाहर न रहे। 'अंतरराष्ट्रीय बैंक दिवस' याद दिलाता है कि लक्ष्य सरल है-'हर हाथ तक पहुंच, हर सपने को पूंजी।'

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता व स्टेट बैंक के सेवानिवृत वरिष्ठ अधिकारी हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भारत-रूस रक्षा साझेदारी: ब्रह्मोस मिसाइल के 'लॉन्ग रेंज' वर्जन पर मंथन, एशियाई क्षेत्र में बढ़ेगी धमक

(एजेन्सी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की गुरुवार से शुरू हो रही भारत यात्रा के दौरान, भारत और रूस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के उन्नत संस्करणों के विकास पर चर्चा कर सकते हैं, जो पाकिस्तान के खिलाफ चार दिवसीय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय रक्षा बलों के लिए गेम चेंजर साबित हुई थी। रक्षा सूत्रों ने एएनआई को बताया कि देश में ब्रह्मोस एनजी जैसी मिसाइलों के हल्के संस्करणों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की गई है, जिन्हें भारतीय वायु सेना के सभी प्रकार के लड़ाकू विमानों पर लगाया जा सकता है और जिनकी क्षमता 400 किलोमीटर से अधिक दूरी तक लक्ष्य भेदने की है। इसके अलावा, मिसाइलों के लंबी दूरी के संस्करण भी विकसित किए जाने की आवश्यकता है, जो वर्तमान क्षमता से तीन गुना से अधिक दूरी तक लक्ष्यों को भेद सकें।

सूत्रों ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच चर्चा होने की संभावना है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें भारत और रूस, जो पुराने और समय-परीक्षित सहयोगी हैं। राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा से पहले हुई बैठकों में, दोनों पक्ष हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ-साथ लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा कर रहे हैं। राष्ट्रपति पुतिन दो दिवसीय भारत यात्रा पर आएंगे। भारत द्वारा एस-400 सुदर्शन चक्र वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की 280 मिसाइलों के सौदे को भी मंजूरी दिए जाने की संभावना है, क्योंकि इनका इस्तेमाल उस देश में कई स्थानों पर पाकिस्तानी ठिकानों के खिलाफ सफलतापूर्वक किया गया था। भारत ने अपनी नौसेना और अन्य दो सेनाओं को ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस करने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है और फिलीपींस को इस मिसाइल का सफलतापूर्वक निर्यात भी किया है।

एशियाई क्षेत्र में इसकी और बिक्री के साथ इसे और सफलता मिलने की संभावना है। अपनी सुपरसोनिक गति के कारण, ब्रह्मोस को दुश्मन सेना के लिए रोकना बहुत मुश्किल है और इस साल मई में पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान इसने बिना किसी समस्या के अपने लक्ष्यों को भेद दिया।

पुतिन के भारत में लैंड करने से पहले ही युद्ध की तैयारी में ट्रंप

(एजेन्सी)।

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव उबाल पर पहुंच चुका है और किसी भी क्षण यह एक पूर्ण युद्ध में बदल सकता है। दोनों राष्ट्रपति ट्रंप और मादुरो अपनी सैन्य और सुरक्षा तैयारियों को बढ़ाकर एक दूसरे को धमका रहे हैं। ट्रंप ने वाइट हाउस में शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की ताकि वेनेजुएला पर अगले कदमों पर चर्चा की जा सके। इस बैठक में युद्ध मंत्री पीट हेक सेथ, विदेश मंत्री मार्को रूबियो और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन मौजूद थे। ट्रंप पहले ही इशारा कर चुके हैं कि वह वेनेजुएला पर पूर्ण पैमाने पर जमीनी हमला विचाराधीन है और उन्होंने वेनेजुएला के ऊपर और उसके आसपास के हवाई क्षेत्र को पूरी तरह बंद घोषित कर दिया है।

ऑपरेशन साउथर्न स्पीयर के तहत अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास 16,000 से अधिक सैनिक, F35 जेट, B2 बॉम्बर और दर्जन भर युद्धपोथ जिनमें दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जेरल्ड फोर्ड भी शामिल है। तैनात कर दिए हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति माधुरो ने अमेरिकी सैन्य धमकियों के आगे झुकने से इंकार कर दिया है। दरअसल सोमवार को करास में एक सार्वजनिक रैली में माधुरों लोगों के साथ नाचते और खुशी मनाते दिखाई दिए जैसे कोई सुरक्षा खतरा हो ही नहीं। जनता को संबोधित करते हुए माधुरों ने कहा कि उनकी सरकार अमेरिका के साथ संवाद के लिए तैयार है लेकिन डरने वाली नहीं है और गुलामों वाली शांति स्वीकार नहीं करेगी। अमेरिका की सैन्य गतिविधियों के जवाब में मादूरों ने अपनी सेना को लंबे प्रतिरोध के लिए तैयार रहने और नई सैन्य अभ्यास करने का आदेश दिया है। वेनेजुएला ने अमेरिकी वायुसेना का मुकाबला करने के लिए 5000 रूसी निर्मित इगला एस मिसाइलें भी तैनात कर दी हैं।

नवंबर में निर्यात में स्वस्थ वृद्धि, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत: पीयूष गोयल

(एजेन्सी)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अक्टूबर में करीब 12 प्रतिशत गिरावट दर्ज करने वाले भारत के निर्यात की नवंबर में स्वस्थ वृद्धि रही है और दोनों महीनों को मिलाकर भी निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गोयल ने उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कहा, वस्तु निर्यात नवंबर में उससे अधिक बढ़ा है जितना अक्टूबर में घटा था। अगर दोनों महीनों को जोड़ दें तो वैश्विक उठापटक के बावजूद निर्यात में वृद्धि दिखाई देती है। हालांकि, उन्होंने नवंबर के निर्यात आंकड़े साझा नहीं किए।

वाणिज्य मंत्रालय 15 दिसंबर को आधिकारिक व्यापार आंकड़े जारी करेगा। अमेरिका द्वारा ऊंचे आयात शुल्क लगाने से अक्टूबर में निर्यात 11.8 प्रतिशत गिर गया था जबकि भारी मात्रा में सोने के आयात से व्यापार घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर हो गया था।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के 90 के पार चले जाने के सवाल पर गोयल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा, ह्लदूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि, कई वर्षों में सबसे कम खुदरा मुद्रास्फीति, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बढ़ते निवेश के आंकड़े दिखाते हैं कि अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है ह्व

गोयल ने कहा कि भारत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में वैश्विक साझेदारियों पर काफी सकारात्मक घोषणाएं देखने को मिलेंगी। भारत फिलहाल अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली और पेरू सहित कई देशों के साथ

मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत कर रहा है।

इसके पहले गोयल ने सीआईआई सम्मेलन में उद्योग जगत से कहा कि व्यापार को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करने के मामलों को देखते हुए कई उत्पादों में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि ऊंचे आयात शुल्क, निर्यात प्रतिबंध और महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति रोकने से भारतीय उद्योग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, ह्लकई उत्पादों में आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। हमें अपनी आपूर्ति शृंखला की कमजोर कड़ियों को तुरंत पहचानकर दुरूस्त करना होगा। किसी एक देश पर निर्भर रहना पूरे कारोबारी मॉडल को जोखिम में डाल सकता है।

गोयल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में चीन का भारत के औद्योगिक उत्पादों के आयात में हिस्सा 21 प्रतिशत से बढ़कर 30 प्रतिशत होना चिंताजनक है। उन्होंने उद्योगों को सुझाव दिया कि वे नवाचार, आपूर्ति शृंखला में विविधता और आत्मनिर्भर विनिर्माण क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दें।

हार्दिक पांड्या की वापसी

(एजेन्सी)।

बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति ने 9 दिसंबर से कटक में शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टीम में वापसी कर चुके हैं। पांड्या सितंबर में एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर फोर मुकाबले के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20आई खेलेंगे। पांड्या चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के फाइनल और ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से चूक गए थे।

हाल ही में, भारतीय ऑलराउंडर पांड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। रिंकू सिंह, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20आई के लिए टीम का हिस्सा थे, को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने वाले शुभमन गिल को चोट के कारण दूसरे टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, गिल को घरेलू मैदान पर प्रोटियाज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में भाग लेने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से अपनी फिटनेस मंजूरी लेनी होगी। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज का पहला टी20आई 9 दिसंबर को कटक में प्रोटियाज के खिलाफ खेलेगी। मुलनपुर 11 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20आई की मेजबानी करेगा। तीसरा टी20आई 14 दिसंबर को धर्मशाला में और चौथा 17 दिसंबर को लखनऊ में खेला जाएगा।

अहान पांडे और अनीत पड्डा ने किया कमाल

(एजेन्सी), IMDb ने अपनी इस साल की सबसे पॉपुलर इंडियन स्टार्स की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में शाहरुख, आमिर, दीपिका और रणबीर जैसे बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। बड़े और नामी स्टार्स को पीछे छोड़कर इस बार दो बिल्कुल नए चेहरों अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बाजी मारी है। यह सब कमाल मोहित सूरी की सुपरहिट फिल्म 'सैयारा' का है। इस रोमांटिक-एक्शन फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी और रु580 करोड़ से ज्यादा की कमाई करके कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इसी फिल्म की बदौलत IMDb की लिस्ट में अहान नंबर 1 और अनीत नंबर 2 की पोजीशन पर आ गए हैं और रातों-रात इंटरनेट के नए डार्लिंग बन गए।

टॉप 10 की लिस्ट में और भी कुछ सरप्राइज हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर सुपरस्टार आमिर खान हैं, जिन्होंने इस साल 'सितारे जमीन पर' से वापसी की। नए चेहरों में लक्ष्य (द बैड्स ऑफ बॉलीवुड) और मलयालम सनसनी कल्याणी प्रियदर्शन (लोका चैप्टर वन) ने भी अपनी जगह बनाई है। यह लिस्ट IMDb पर दुनिया भर के 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की सर्च और पेज विजिट के हिसाब से तैयार की गई है।

नंबर 1 का ताज पहनने के बाद अहान पांडे ने कहा, 'यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात है। अपनी पहली फिल्म के साथ IMDb की टॉप लिस्ट में आना सपने के सच होने जैसा है। अब मुझे अपने काम की जिम्मेदारी और भी ज्यादा महसूस हो रही है।'

अनीत पड्डा ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'IMDb पर इतनी बड़ी पहचान मिलना अब भी थोड़ा अजीब लग रहा है। 'सैयारा' ने मेरी लाइफ को बदल दिया है। दुनिया भर के लोगों का मेरे काम से जुड़ना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' ये दोनों यंग स्टार्स अब बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए तैयार हैं। अहान पांडे जल्द ही अली अब्बास जफर की एक एक्शन फिल्म में दिखेंगे, जबकि अनीत हॉरर कॉमेडी 'शक्ति शालिनी' के लिए मैडॉक के साथ काम करती दिखेंगीं।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना

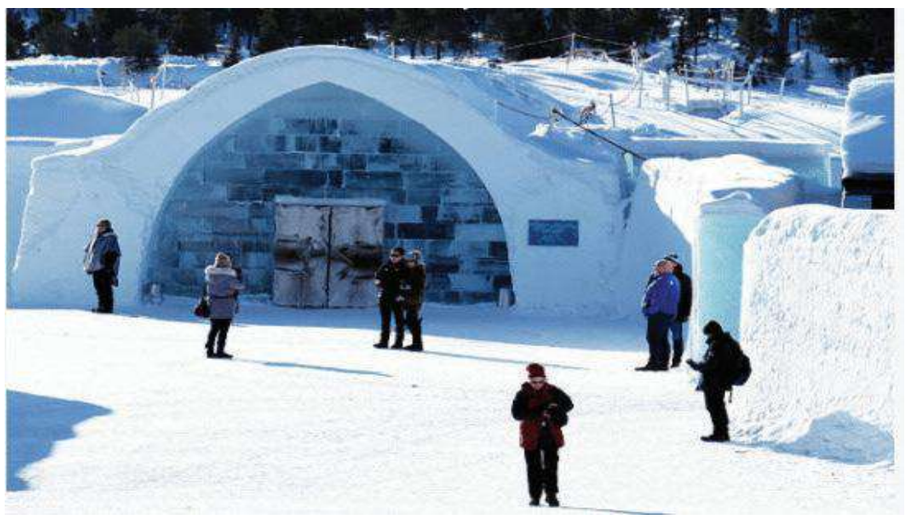

हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेटिंक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

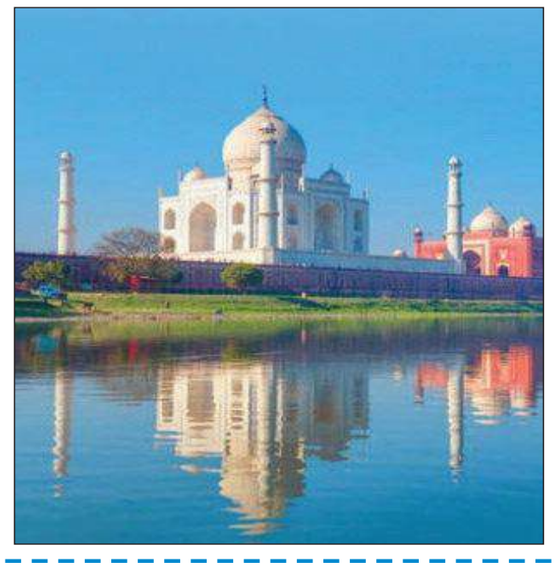

मुख्यमंत्री नायब सैनी 7 दिसंबर को कैथल से आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा को करेंगे रवाना: मोहन लाल बड़ौली

स्वदेशी के मूलमंत्र को हर व्यक्ति तक पहुंचाना है: प्रदेश अध्यक्ष भाजपा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। भारतीय जनता पार्टी आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी जागरण अभियान को जन-जन का अभियान बनाने में जुटी है। भाजपा की 7 दिसंबर को कैथल में बड़ी बैठक होने जा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश के प्रभारी डा. सतीश पूनिया, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी मुख्य रूप से शामिल होंगे। बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को और तेज गति देने पर मंथन होगा। इसी दिन कैथल से स्वदेशी अभियान को जन-जन का संकल्प बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन को साकार करने में जुटा है। 7 दिसंबर को कैथल में होने वाली बैठक में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को और तेज गति देने पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश के प्रभारी डा. सतीश पूनिया भी मौजूद रहेंगे।

उन्होंने कहा कि हमें आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को जन-जन की आवाज बनाना है। स्वदेशी के मूलमंत्र को हमें हर भारतीय तक पहुंचाना है। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य हर व्यक्ति में स्वदेशी की भावना का संचार करना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना और स्वावलंबन की भावना को सशक्त करना है। श्री बड़ौली ने कहा कि इस बैठक में सरकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के विषय पर भी चर्चा होगी।

सरकार की जनकल्याण की योजनाओं से कोई पात्र व्यक्ति ना छूटे इसकी योजना रचना पर भी चर्चा की जाएगी। श्री बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी के आह्वान पर देश में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अपनाने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को हरियाणा में घर-घर तक पहुंचाना और लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से भाजपा का अभियान लगातार जारी है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अभियान एक राष्ट्र व्यापी अभियान है। स्वदेशी को जन आंदोलन बनाना है और नागरिक के जीवन से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की मांग बढ़ने से देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और हमारे कारीगर सशक्त होंगे। मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं के रोजगार के नए-नए अवसर खुलेंगे।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने कहा कैथल में 7 दिसंबर को होने वाली बैठक काफी महत्वपूर्ण होने वाली है। इस बैठक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के अलावा संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, मोर्चो व प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, सभी मंडलों के अध्यक्ष और आत्मनिर्भर भारत अभियान के संयोजक शामिल होंगे।

अरविंद सैनी ने कहा कि बैठक में वर्तमान में चल रहे अभियानों की समीक्षा होगी और कार्यकताओं को आगामी कार्यक्रमों को लेकर जरूरी संगठनात्मक दिशा निर्देश भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान कैसे जन-जन का अभियान बने इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा होगी। चल रहे अभियानों को लेकर जिन-जिन पदाधिकारियों को जो जिम्मेदारियां मिली हुई हैं उनसे वन-टू-वन चर्चा होगी और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा भी की जाएगी।

अरविंद सैनी ने कहा कि इस बैठक में मुख्य फोकस स्वदेशी अभियान को घर-घर तक पहुंचाने पर रहेगा।

बाल प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक शानदार मंच: डीसी अपराजिता

डीसी अपराजिता ने किया जोनल स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

डीसी कैथल अपराजिता जोनल स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला बाल कल्याण परिषद कैथल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जोनल स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ बुधवार को राधा कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल में हुआ। नवनियुक्त डीसी अपराजिता ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का विधिवत उद्घाटन किया। समाज सेवी पंकज गुप्ता ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी बलबीर चौहान, राधा कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमैन लाभ सिंह और प्रिंसिपल मीनू ने डीसी अपराजिता का कार्यक्रम में पहुंचने पर स्वागत किया।

डीसी अपराजिता ने कहा कि उनके लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है कि उनका जन्म काशी में हुआ और बतौर उपायुक्त पहली पोस्टिंग छोटी काशी यानी कैथल में हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भाग लेना अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों को अपनी छिपी हुई प्रतिभा को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक शानदार मंच प्रदान करती हैं। प्रतियोगिताओं में हार-जीत मायने नहीं रखती, बल्कि भाग लेना और अपनी प्रतिभा का खुले मंच पर प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण है। डीसी अपराजिता ने विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल और कला के क्षेत्रों में समान रूप से ध्यान देने की सलाह दी, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए कलात्मक और सांस्कृतिक समझ भी जरूरी है।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि समाज सेवी पंकज गुप्ता ने कहा कि यह समारोह हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की ओर से बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और उनके रचनात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विद्यार्थियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन: उद्घाटन समारोह के बाद प्रतियोगिताओं का दौर शुरू हुआ। पहले दिन समूह नृत्य, एकल नृत्य, और एकल शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी वेशभूषा में पारंपरिक और समकालीन नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया।

चार व पांच दिसंबर को ये होंगी प्रतियोगिताएं-जिला बाल कल्याण अधिकारी बलबीर चौहान ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में चार दिसंबर एकल गीत, एकल शास्त्रीय नृत्य, देशभक्ति समूह गीत तथा पांच दिसंबर को प्रश्नोत्तरी, एकांकी नाटक/थियेटर प्ले आदि आयोजित किए जाएंगे।

डॉ राजेंद्र बाबू की 141वीं जयंती पर रोटरी क्लब देशरत्न ने लगाया मेडिकल कैंप

संजना भारती संवाददाता

सिवान। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के 141 वीं जयंती पर रोटरी क्लब ऑफ सिवान 'देशरत्न' ने गांधी मैदान में मेडिकल कैंप लगाया। जहां सबसे पहले राजेंद्र बाबू के तैलचित्र पे माल्यार्पण किया गया। इसमें सैकड़ों लोगों का शूगर और ब्लड प्रेशर समेत स्वास्थ्य संबंधित रूटीन जांच की गई।

इस दौरान सदर एसडीओ आशुतोष कुमार गुप्ता और नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने भी अपना हेल्थ चेकअप कराया। मौके पर चार्टर्ड प्रेसिडेंट डा अन्नू बाबू, अधिवक्ता राजीव रंजन राजू, डा मनीष कुमार सिंह, डॉ सोहेल अब्बास, संजय कुमार, पीयूष सिंह, डॉ पीयूष पद्मेश, राजीव कुमार पिंकू, अधिवक्ता मनीष सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, प्रदीप कुमार रोज समेत रोटरी देशरत्न के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर युवाओं ने दिव्यांगों के बीच वितरण किया कम्बल

संजना भारती संवाददाता

डुमरांव। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय के नेतृत्व में युवाओं ने बढ़ते ठंड के कहर से बचाव के लिए लवारिस और असहाय दिव्यांगो के घर-घर जाकर कम्बल देकर मानवता का मिशाल पेश किया है। कम्बल पाकर दिव्यांनजनों के चेहरे खुशी से खिल उठें। इस सम्बन्ध में अजय ने कहा कि ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे में कोई गरीब, बेसहारा व निशक्त दिव्यांग ठंड से प्रभावित न हो। इसके लिए हमारी टीम की ओर से लगातार कम्बल वितरण किया जा रहा है वही अजय द्वारा किए गए इस पहल सराहना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बताते चले की इससे पहले भी अजय द्वारा विशेष मुहीम चलाकर रेलवे, स्टेशन, फुटपाथ सहित ऐसे अनेको जरुरमंदो को चिन्हित कर कम्बल दे चुके हैं। वही इस कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी पवन केशरी उर्फ बुली जी, अभिषेक रंजन, राहुल सूर्यवंशी, शुभम राय आदि मुख्य रूप से शामिल रहें।

लाडो लक्ष्मी योजना

कैथल में 24 हजार 545 महिलाओं को मिलेगा योजना का लाभ, पेंशन दिए जाने की मिली स्वीकृति

सरकार के वादे के अनुसार हर महीने मिलेंगे 2100 रुपये

डीसी अपराजिता।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत कैथल जिले में 24 हजार 545 महिलाओं को लाभ मिलेगा। इन महिलाओं को पेंशन दिए जाने की स्वीकृति मिल गई है। इनके खाते में सरकार द्वारा निर्धारित समय पर पेंशन की 2100 रुपये की राशि भेज दी जाएगी।

हरियाणा में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में सरकार ने चुनाव से पूर्व महिलाओं को 2100 रुपये पेंशन देने का वादा किया था। सरकार ने चुनाव के बाद एक साल के अंदर अंदर अपने इस वायदे को अमलीजामा पहनाते हुए नवंबर माह में इस योजना का शुभारंभ कर दिया था। जिसमें प्रदेश भर में पात्र महिलाओं से आवेदन मांगे गए थे। इस प्रक्रिया में जिले में 24 हजार 560 महिलाओं ने योजना का लाभ देने का आवेदन किया था। जिला समाज कल्याण विभाग की जांच में 15 आवेदनों में तकनीकी या दस्तावेजी त्रुटियां पाए जाने पर उनके आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए। इनमें से शेष 24 हजार 545 आवेदनों को सफलतापूर्वक स्वीकार कर उनकी पेंशन स्वीकृत कर दी गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार निर्धारित समय पर इन महिलाओं खाते में 2100 रुपये की राशि बतौर पेंशन भेज दी जाएगी। विभागीय जानकारी के अनुसार जो पेंशन आवेदन अस्वीकृत हुए हैं, उनमें भी त्रुटि दूर करने के लिए विभाग मुख्यालय से संपर्क किया जा रहा है। महिलाओं के आवेदन पर डीसी अपराजिता की अगुवाई में तेजी से काम किया जा रहा है। अब तक स्वीकृत आवेदनों का लाभ मिलने से महिलाओं को अपने जीवन यापन में मदद मिलेगी।

योजना का लाभ लेने के लिए ये शर्तें पूरी करें प्रार्थी-इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी के नाम पर एक चालू बैंक खाता होना चाहिए। पात्र महिला की आयु 23 वर्ष से 60 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। परिवार की सत्यापित वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक न हो, जो महिला किसी अन्य राज्य से हरियाणा में विवाहित है जिसका पति हरियाणा का निवासी है और आवेदन के समय पिछले 15 वर्षों या उससे अधिक समय से हरियाणा राज्य में रह रहा है वह महिला इस योजना की पात्र है। एक नवंबर से महिलाओं के खाते में योजना का लाभ आना शुरू हो जाएगा।

डीसी अपराजिता ने कहा कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और लड़कियों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से स्वीकृत हुई पेंशन 2100 रुपये की राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं को प्राप्त होगी, जो उन्हें अपने दैनिक जरूरतों को पूरा करने, बच्चों की शिक्षा में निवेश करने और अपने जीवन स्तर को सुधारने में मदद करेगी।

डीसी अपराजिता ने कहा कि यह सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बचे हुए 15 आवेदनों में भी त्रुटियों को जल्द से जल्द दूर करवा कर मुख्यालय से अनुमोदन प्राप्त करने की दिशा में तेजी से काम करें। इस बड़ी संख्या में पेंशन की स्वीकृति से कैथल जिले की महिलाओं में एक सकारात्मक ऊर्जा को बल मिलेगा, जो उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगा।

कष्ट निवारण समिति की बैठक में 13 शिकायतें सुनी गईं, 7 का मौके पर हुआ निपटारा: रणबीर गंगवा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आज पंचायत भवन में हरियाणा के जनस्वास्थ्य एवं लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर सिंह गंगवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के ऐजेंडा में 6 लंबित और 7 नई शिकायतें शामिल थीं। बैठक उपरांत मीडिया से बात करते हुए मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि समिति की बैठक में कुल 13 शिकायतें सुनी गईं, जिनमें से 7 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि 6 शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए अगली बैठक में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

मंत्री गंगवा ने बताया कि गांव साम्भली में ईश्वर नामक व्यक्ति द्वारा पंचायत की जमीन पट्टे पर लेकर अन्य गैर कृषि भूमि का गलत उपयोग कर 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में फसलों का गलत पंजीकरण किया गया था। इस मामले में पटवारी द्वारा गैर कृषि भूमि लॉक न करने की लापरवाही सामने आने पर पटवारी को निलंबित करने और ईश्वर से रिकवरी करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पत्रकारों के सवाल पर मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज लाडो लक्ष्मी योजना की दूसरी किस्त जारी की है। उन्होंने प्रदेश की सभी बहनों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पहले साल में ही 5000 करोड़ रुपये का प्रावधान कर चुनावी वादा पूरा किया है।

सालाना 1 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों की 7 लाख से अधिक महिलाओं का पंजीकरण हो चुका है। उन्होंने कहा कि पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण, लाडो लक्ष्मी योजना और सेल्फ-हेल्प ग्रुप के माध्यम से लोन उपलब्ध कराकर सरकार वास्तविक अर्थों में महिला सशक्तिकरण को मजबूत कर रही है।

एड्स से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है जागरूकता: डॉ. मनीष कुमार

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन की डॉ. भीमराव अम्बेडकर रंगशाला में एचआईवी/एड्स विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम अकादमी के निदेशक डॉ. अरशिन्दर सिंह चावला के निर्देश पर आयोजित हुआ, जिसमें पुलिस अधीक्षक बलजिंदर सिंह को संयोजक नियुक्त किया गया। कार्यशाला में 2700 प्रशिक्षणार्थियों और 200 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत में पुलिस अधीक्षक बलजिंदर सिंह ने अतिथि वक्ता डॉ. मनीष कुमार, डिप्टी सीएमओ करनाल को स्मृति स्वरूप पौधा भेंट किया। अपने संबोधन में डॉ. मनीष कुमार ने कहा कि एचआईवी/एड्स संक्रमण के कई कारण हैं, लेकिन आधुनिक समय में नशे के दौरान एक ही सुई का इस्तेमाल इसका प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि कई वर्षों तक लक्षण न दिखने के बावजूद बीमारी धीरे-धीरे एड्स की स्थिति बना देती है। उन्होंने कहा कि संक्रमण का चक्र तोड़कर ही एड्स को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध करवाई जाती हैं, जिनके नियमित सेवन से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। साथ ही मरीज टोल-फ्री नंबर 1097 पर गोपनीय रूप से सहायता प्राप्त कर सकता है।

सिविल अस्पताल करनाल की काउंसलर डॉ. कांता रानी ने कहा कि एड्स पीड़ित गर्भवती महिलाएँ यदि नियमित दवाइयाँ लें, तो स्वस्थ शिशु को जन्म दे सकती हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों को दवाइयों के साथ-साथ पौष्टिक आहार हेतु आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है। उन्होंने प्रतिभागियों को एचआईवी/एड्स के लक्षण, बचाव और रोकथाम के उपायों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक शरीफ सिंह, मनीषा, काउंसलर ममता, लैब टेक्नीशियन मीत कुमार, प्रशिक्षणार्थी और अकादमी स्टाफ मौजूद रहे। कार्यशाला का उद्देश्य समाज में एचआईवी/एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाना और इससे जुड़े भ्रमों को दूर करना रहा।

नशेड़ी-जुआरी-सटोरियों और आवारागर्दो की अब खैर नहीं

नशा, जुआ व सट्टा मुक्त कैथल मुहीम तहत कैथल पुलिस का 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' शुरू: एसपी उपासना

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन तहत गश्त करती कैथल पुलिस टीम।

जिला ब्यूरो प्रमुख निर्मल कुमार

कैथल। नवंबर माह में पुरे हरियाणा में चलाए गए "ऑपरेशन ट्रैकडाउन" की बड़ी सफलता के बाद पुलिस महानिदेशक हरियाणा ओ. पी. सिंह के आदेशानुसार पुलिस द्वारा दिसंबर माह में "ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन" चलाया जा रहा है इस ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन में जुआ/सट्टा, नशा और अवैध गतिविधियों पर निर्णायक प्रहार करने के लिए जिला कैथल में भी ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन की जोरदार शुरूआत की है।

एसपी उपासना ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के तहत जिला के सभी एसएचओ व अन्य पुलिस टीमों को निर्देश दिए है कि वे जिलेभर में गांव-कस्बों में जुआ, सट्टा के अड्डों व नशा तस्करी से जुड़े अन्य ठिकानों और संदिग्ध गतिविधियों वाले क्षेत्रों को भी चिन्हित करें जहां नशेड़ियों का जमावड़ा होने के कारण महिलाओं को आने-जाने में भी परेशानी होती है ऐसी गतिविधियों वाले सभी क्षेत्रों पर लगातार दबिश शुरू करे। दिन- रात चलने वाले इस अभियान में न केवल अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखे बल्कि ऐसे सभी तत्वों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करे जो जुआ, सट्टा व नशा आदि जैसी अवैध गतिविधियों में लिप्त है। तथा उन्होने यह भी निर्देश दिए है कि सर्दी के मौसम को देखते हुए ऐसे लोग जिनके पास घर नही है तथा खुले आसमान के नीचे रहते है और ओढने के लिए कपड़े/ कंबल नहीं है कि पहचान करके समाज सेवी संस्थाओं से सम्पर्क करके सरकार कि योजनानुसार संबधित विभाग से तालमेल स्थापित करके उनके रहने, कंबल/ भोजन, पानी कि व्यवस्था भी सुनिश्चित कि जावे। उन्होंने बताया कि गाँव/शहरों के अंधरे रास्तों में, जहां से महिला/बुजुर्ग का आना जाना होता है ऐसे स्थानों को चिन्हित कर वहां पर संबंधित विभाग की सहायता से सफाई व लाईट लगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं तथा वहां पर पुलिस द्वारा प्रभावी गश्त के भी निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले को जुआ/ सट्टा एवं नशा मुक्त बनाना, अपराधियों और अवैध कारोबारियों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाकर गली-मोहल्लों में लगने वाले नशेड़ियों के जमावड़े को खत्म करके महिलाओं एवं आम नागरिकों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण प्रदान कराना है।

एसपी ने सभी गांवों के सरपंचों, पुलिस मित्रों, सामाजिक प्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों से विशेष अपील की है कि: अपने-अपने क्षेत्र में नशा बेचने वालों, जुआ खिलाने वालों या अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि उन पर तुरंत आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा सके तथा समाजसेवी संस्थाओं से भी अपील करते हुए कहा कि जिनके पास घर नही है तथा खुले आसमान के नीचे रहते है ओर ओढने के लिए कपड़े/ कंबल इत्यादि नहीं है कि उन जरूरतमंद की पहचान करके उनके रहने, कंबल/भोजन, पानी की व्यवस्था में भी अपना योगदान दें।

भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2025 पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भाकृअनुप-भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2025 विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को नई शिक्षा नीति के प्रावधानों, उसकी आवश्यकता तथा शिक्षा व्यवस्था पर पड़ने वाले दूरगामी प्रभावों से अवगत कराना था।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में टीना चौहान, प्रधानाचार्या, राधा कृष्ण पब्लिक स्कूल, ठोल (कुरूक्षेत्र) ने शिरकत की। उन्होंने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2025 के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा जारी की गई यह नीति देश की शिक्षा व्यवस्था को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति पारंपरिक अंक-आधारित शिक्षा के स्थान पर समग्र, कौशल-आधारित और व्यावहारिक शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. रतन तिवारी ने की। उन्होंने सरकारी कार्यों में राजभाषा हिन्दी के अधिकतम उपयोग पर बल दिया तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान में हिन्दी के प्रोत्साहन हेतु भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होते रहेंगे।

इस अवसर पर डॉ. मंगल सिंह, राजभाषा हिन्दी अधिकारी ने संस्थान की राजभाषा से संबंधित उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का सही अनुपालन किया जा रहा है तथा पिछले चार महीनों में हिन्दी में कई साहित्य और प्रकाशन तैयार किए गए हैं।

कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. अनुज कुमार, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में संस्थान के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह आयोजन केन्द्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक हिन्दी कार्यक्रम के अनुपालन में किया गया।

पेट्रोल पंप का हुआ उद्घाटन

एसबी ब्यूरो/मंसूरचक(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र के ओरियामा पथ पर अवस्थित गंगा फ्यूल सेंटर पेट्रोल पंप का शुभारंभ बुधवार को हुआ। कार्यक्रम का सामुहिक उदघाटन स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने किया। उदघाटन के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए गंगा फ्यूल सेंटर के निदेशक देवेन्द्र राय ने कहा कि इस सुदूर इलाके में गंगा फ्यूल सेंटर पेट्रोल पंप का शुभारंभ होने से यहां के किसानों व आम जनता को बेहतर लाभ मिलेगा। मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमीन उद्दीन, मंसूरचक मुखिया प्रतिनिधि अरमान कुरैशी, कांग्रेसी नेता रामसेवक राय, समस्तीपुर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी, साठा पंचायत के पूर्व पैक्स अध्यक्ष मधुकांत महतो, सरपंच बौवा झा, ब्रजेश कुमार, संजय पासवान, रामानंद सहनी, पप्पू कुमार, दीपक शर्मा,सहित सैकड़ों उपस्थित थे।